RNI : UAHIN/25/A3210

# आवाम इंडिया

हिन्दी साप्ताहिक

वर्षः 01 अंकः 08 देहरादून, शुक्रवार 05 जून 2026 मूल्य 2 रुपये पृष्ठः 8 www.aawamindia.com

# चारधाम यात्रा को लेकर सीएम ने जारी किए आवश्यक दिशा निर्देश

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज सचिवालय में चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि चारधाम यात्रा प्रबंधन का मूल मंत्र 'सुरक्षित यात्रा, सुगम दर्शन और सतत संवाद' होना चाहिए। उन्होंने कहा कि बेहतर समन्वय, प्रभावी संवाद और सुव्यवस्थित प्रबंधन से यात्रा को और अधिक सुरक्षित एवं सफल बनाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने चारों धामों में श्रद्धालुओं की संख्या के अनुरूप दर्शन व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित बनाने के लिए विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रात्रि 10 बजे से सुबह 4 बजे तक चारधाम यात्रा मार्गों पर वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध का सख्ती से पालन कराया जाए। श्रद्धालुओं की सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। यात्रा मार्गों पर ट्रकों एवं अन्य आवश्यक सेवाओं से जुड़े भारी वाहनों को केवल रात्रिकाल में ही अनुमति दी जाए तथा दिन के समय ऐसे वाहनों का संचालन प्रतिबंधित रखा जाए।

उन्होंने कहा कि किसी भी धाम अथवा पड़ाव पर निर्धारित क्षमता से अधिक भीड़ होने की स्थिति में नीचे स्थित होल्डिंग एरिया एवं प्रमुख चेक प्वाइंट्स पर वाहनों और श्रद्धालुओं की आवाजाही को नियंत्रित किया जाए। भीड़ प्रबंधन के लिए चरणबद्ध व्यवस्था अपनाते हुए यात्रियों को आगे भेजा जाए, जिससे धामों में अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर श्रद्धालुओं को रोका या ठहराया जा रहा है, वहां पार्किंग, भोजन, पेयजल, शौचालय एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भीड़ नियंत्रण के दौरान श्रद्धालुओं को केवल रोका न जाए, बल्कि उन्हें इसके कारण, संभावित प्रतीक्षा अवधि तथा आगे की व्यवस्थाओं की जानकारी नियमित रूप से उपलब्ध

कराई जाए। उन्होंने पुलिस, प्रशासन एवं यात्रा प्रबंधन से जुड़े सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को श्रद्धालुओं के प्रति संवेदनशील, विनम्र एवं सहयोगात्मक व्यवहार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि यात्रियों को किसी भी परिस्थिति में सूचना के अभाव का सामना नहीं करना चाहिए। इसके लिए सार्वजनिक सूचना प्रणाली , एलईडी डिस्प्ले, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, व्हाट्सएप चौनल एवं एफएम रेडियो के माध्यम से लगातार अद्यतन सूचनाएं प्रसारित की जाएं। मार्ग अवरोध, मौसम में बदलाव, यातायात जाम अथवा दर्शन में विलंब जैसी परिस्थितियों की जानकारी भी समय रहते यात्रियों तक पहुंचाई जाए, जिससे भ्रम एवं असंतोष की स्थिति उत्पन्न न हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चारधाम यात्रा का प्रथम चरण प्रशासन, पुलिस, आपदा प्रबंधन एवं अन्य संबंधित विभागों के समन्वित प्रयासों से सफलतापूर्वक संचालित हुआ है।

अब यात्रा दूसरे और अधिक चुनौतीपूर्ण चरण में प्रवेश कर रही है, जहां मानसून एवं प्रतिकूल मौसम प्रमुख चुनौती होंगे। ऐसे में यात्रा प्रबंधन को और अधिक सतर्कता, नियंत्रण तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ संचालित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को श्रद्धालुओं से प्राप्त फीडबैक, शिकायतों एवं सुझावों की दैनिक समीक्षा करने तथा आवश्यकतानुसार तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने संवेदनशील स्थलों पर जेसीबी, पोकलेन मशीनें, सैटेलाइट फोन, एम्बुलेंस एवं राहत-बचाव उपकरणों की अग्रिम व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

उन्होंने गढ़वाल मंडल आयुक्त एवं आईजी गढ़वाल को चारधाम यात्रा की सभी व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा करने तथा श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने चारधाम यात्रा से जुड़े सभी जिलों के जिलाधिकारियों एवं पुलिस अधीक्षकों को यात्रा व्यवस्थाओं की निरंतर निगरानी एवं प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने को कहा। मुख्यमंत्री ने यात्रा मार्गों पर संचालित होटल, रेस्टोरेंट एवं ढाबों में रेट लिस्ट का अनिवार्य प्रदर्शन सुनिश्चित करने तथा खाद्य पदार्थों की नियमित सैंपलिंग कर गुणवत्ता की जांच करने के निर्देश भी दिए।मुख्यमंत्री ने चारों धामों एवं पैदल यात्रा मार्गों पर स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल दिया। उन्होंने पैदल मार्गों पर पर्याप्त संख्या में शौचालयों की व्यवस्था एवं उनकी नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने गंभीर मरीजों को शीघ्र उपचार उपलब्ध कराने के लिए हेली एम्बुलेंस सेवा हेतु राज्य स्तर पर एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश भी दिए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर जिलाधिकारी तत्काल समन्वय स्थापित कर मरीजों को उच्च चिकित्सा केंद्रों तक पहुंचा सकें।

बैठक में कैबिनेट मंत्री श्री सतपाल महाराज, श्री भरत चौधरी, विधायक श्री अनिल नौटियाल, राज्य आपदा प्रबंधन सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष श्री विनय कुमार रोहिला, उत्तराखण्ड अवस्थापना अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष श्री विश्वास डाबर, मुख्य सचिव श्री आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव श्री आर.के. सुधांशु, सचिव श्री शैलेश बगौली, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, श्री विनय शंकर पाण्डेय, श्री रणवीर सिंह चौहान, श्री विनोद कुमार सुमन, आईजी गढ़वाल श्री राजीव स्वरूप, अपर सचिव श्री बंशीधर तिवारी तथा वर्चुअल माध्यम से विधायक श्री सुरेश चौहान, श्रीमती आशा नौटियाल, बदरी-केदार मंदिर समिति के अध्यक्ष श्री हेमंत द्विवेदी, आयुक्त गढ़वाल श्री आनंद स्वरूप एवं संबंधित जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक उपस्थित रहे।

# मौसम खराब : सभा स्थल पर नहीं पहुंच पाये राहुल गांधी

देहरादून। मौसम खराबी की वजह से अल्मोड़ा जन सभा में नहीं पहुंच पाये राहुल गांधी, वापस लौटा हैलीकाप्टर। कांग्रेस उत्तराखंड प्रभारी कुमारी शैलजा ने फोन मिलाया, तो राहुल गांधी ने फोन से करा सभा को संबोधित। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी आज मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण उत्तराखंड में प्रस्तावित जनसभा तक नहीं पहुँच सके।

हालांकि, उन्होंने फोन के माध्यम से वहां उपस्थित विशाल जनसमूह को संबोधित किया और यह वादा भी किया कि वह शीघ्र ही पुनः उत्तराखंड आएंगे और पूरा

समय निकालकर जनता से मिलेंगे, संवाद करेंगे, आपके विचार सुनेंगे तथा मिलकर प्रदेश के बेहतर भविष्य की दिशा में चर्चा करेंगे।

यहां उपस्थित विशाल जनसमूह और उत्तराखंड की जनता का उत्साह साफ-साफ बता रहा है कि प्रदेश में आने वाली सरकार कांग्रेस की होगी। जनता बदलाव का मन बना चुकी है और कांग्रेस के पक्ष में मजबूत जनसमर्थन दिखाई दे रहा है। वहीं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए कहा कि आज मैं आप सबसे मिलना चाहता था, आपके बीच बैठकर आपकी बातें सुनना चाहता था, आपके सुख-दुख, आपकी आशाओं और आपकी चिंताओं को समझना चाहता था। दुर्भाग्य से, मौसम की गंभीर खराबी के कारण ऐसा संभव नहीं हो पाया।

आज सुबह मैं पंतनगर पहुँच गया था। वहाँ से हमें हेलिकॉप्टर द्वारा अल्मोड़ा में जनसभा के लिए जाना था, लेकिन मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों को देखते हुए पायलट ने उड़ान भरने से साफ इनकार कर दिया। मुझे आपसे बहुत सी बातें करनी थीं - उत्तराखंड की वर्तमान स्थिति पर, प्रदेश के आर्थिक और सामाजिक मुद्दों पर, राज्य और आपके भविष्य पर, और उन चुनौतियों पर जिनका सामना आज उत्तराखंड कर रहा है। पौड़ी गढ़वाल में पूर्व सैनिकों के साथ भी एक महत्वपूर्ण मुलाकात और बैठक निर्धारित थी। साथ ही कोटद्वार में दीपक के जिम जाने का भी कार्यक्रम था।

# राष्ट्रपति के प्रस्तावित दौरे को लेकर देहरादून प्रशासन अलर्ट

देहरादून। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के प्रस्तावित दो दिवसीय उत्तराखंड भ्रमण को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार राष्ट्रपति 12 जून 2026 को देहरादून स्थित राष्ट्रपति निकेतन पहुंचेंगी तथा 13 जून को भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करने के उपरांत दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगी।

राष्ट्रपति के प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने सभी संबंधित अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने राष्ट्रपति के आगमन से लेकर प्रस्थान तक सभी व्यवस्थाओं को त्रुटिरहित एवं चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने राष्ट्रपति निकेतन में विद्युत, पेयजल, संचार नेटवर्क तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को कंटीजेंसी प्लान के साथ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए प्रत्येक व्यवस्था का पूर्व परीक्षण कर लें, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा की स्थिति उत्पन्न न हो।

बैठक में सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जिलाधिकारी ने निर्धारित भ्रमण मार्ग पर सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने, यातायात प्रबंधन को सुचारू बनाए रखने तथा संबंधित स्थलों पर व्यवस्थाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि माननीय राष्ट्रपति के प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम के दौरान किसी भी स्तर पर चूक अथवा लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ निर्वहन सुनिश्चित करें।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, अपर जिलाधिकरी (वि.रा) केके मिश्रा, पुलिस अधीक्षक जया बलूनी, सिटी मजिस्ट्रेट प्रत्यूष सिंह सहित सभी उप जिलाधिकारी एवं प्रोटोकॉल से जुड़े समस्त अधिकारी उपस्थित थे।

# खेत बचाओ अभियान को जनआंदोलन बनाने के निर्देश

देहरादून। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने बुधवार को अपने कैंप कार्यालय में कृषि एवं उद्यान विभाग के अधिकारियों के साथ विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक की। बैठक में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान कृषि मंत्री गणेश जोशी ने 30 जून तक संचालित किए जा रहे देशव्यापी 'खेत बचाओ अभियान' के राज्य में सफल क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रदेशभर में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में सांसदों, मंत्रियों, विधायकों तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाए। इसके लिए संबंधित जनप्रतिनिधियों को समयबद्ध रूप से पत्र भेजे जाएं। कृषि मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्राम पंचायत स्तर तक विशेष जागरूकता शिविर आयोजित कर किसानों को प्राकृतिक एवं संतुलित खेती के प्रति प्रेरित किया जाए तथा अभियान में अधिकतम जनसहभागिता सुनिश्चित की जाए। बैठक में कृषि मंत्री गणेश जोशी ने एप्पल मिशन के अंतर्गत कृषकों को देय राजसहायता का भुगतान शीघ्र कराने के निर्देश दिए। साथ ही सेब पैकिंग बॉक्स की उपलब्धता एवं अन्य सभी तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। ताकि सेब बागवानों को किसी भी प्रकार की समस्या न हो। उन्होंने प्रदेशभर में पॉलीहाउस निर्माण कार्यों को युद्धस्तर पर संचालित करने के भी निर्देश दिए। अधिकारियों ने बैठक में अवगत कराया कि भारत सरकार द्वारा घेरबाड़ योजना के लिए घोषित घ्90 करोड़ की राशि में से प्रथम किश्त के रूप में घ्25 करोड़ राज्य को प्राप्त हो चुके हैं।

इस पर कृषि मंत्री ने निर्देश दिए कि घेरबाड़ के लिए उपलब्ध बजट का शत-प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित करते हुए अधिकाधिक किसानों को इसका लाभ पहुंचाया जाए।

बैठक में सचिव कृषि एस.एन. पांडेय, कृषि एवं उद्यान महानिदेशक वंदना सिंह, निदेशक कृषि दिनेश कुमार, निदेशक उद्यान आर.के. सिंह, निदेशक कैप नृपेंद्र चौहान सहित विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

## मुख्य सचिव ने एग्री स्टैक से सम्बन्धित कार्यों को प्रदेश के किसानों के लिए महत्त्वपूर्ण बताया

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सचिवालय में जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा कर महत्त्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने प्रदेश में एग्री स्टैक से सम्बन्धित कार्यों को प्रदेश के किसानों के लिए बहुत ही महत्त्वपूर्ण बताया।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में अंश निधरिण के कार्य में में देहरादून, बागेश्वर, नैनीताल और हरिद्वार जनपद को विशेष कदम उठाये जाने की आवश्यकता है, उन्होंने कहा कि सभी जिलाधिकारियों को प्रोएक्टिव होकर कार्य करना होगा। मुख्य सचिव ने कहा कि फर्टिलाइजर्स का वितरण का कार्य भी किसान पंजीकरण के आधार पर ही होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि लगातार मॉनिटरिंग करते हुए दैनिक प्रगति को बढ़ाने पर फोकस किया जाए ताकि किसानों का पंजीकरण कार्य पूर्ण किया जा सके। उन्होंने इसके लिए कैम्प आयोजित कर किसान पंजीकरण का कार्य शीघ्र से शीघ्र पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसान पंजीकरण कार्य पूर्ण ना होने से पीएम किसान और उर्वरक का वितरण अटक सकता है। मुख्य सचिव ने प्रदेश में डिजिटल क्रॉप सर्वे के कार्य में भी तेजी लाए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सर्वेक्षण कर्मियों की कमी को देखते हुए इसमें स्वयं सहायता समूहों और युवा मंगल दलों सहित उच्च शिक्षण संस्थानों के छात्रों को लगाये जाने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि डिजिटल क्रॉप सर्वे के लिए आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान कर यह कार्य कराया जा सकता है। मुख्य सचिव ने एग्री स्टैक से सम्बन्धित सभी कार्यों में तेजी लाये जाने के लिए किसानों को जागरूक किए जाने की भी बात कही। इससे युवा आपदा मित्र प्रशिक्षण ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि एग्री स्टैक बहुत महत्त्वपूर्ण है, समय से यह सभी कार्य पूर्ण ना होने से भारत सरकार की बहुत सी स्कीम्स का लाभ किसानों को मिलना बंद हो सकता है। इस अवसर पर प्रमुख सचिव श्री आर. के. सुधांशु, सचिव श्री शैलेश बगौली, श्री नितेश कुमार झा, डॉ . वी. षणमुगम, विशेष सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते, श्री एस. एन. पाण्डेय एवं श्रीमती रंजना राजगुरु सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

# श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ऋषिकेश स्थित ट्रांजिट कैंप का औचक निरीक्षण कर चारधाम यात्रा एवं रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा

लिया। इस दौरान उन्होंने यात्रियों के पंजीकरण, स्वास्थ्य जांच, ठहरने की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने बड़ी संख्या में अन्य राज्यों से आए श्रद्धालुओं से यात्रा का फीडबैक भी लिया। मुख्यमंत्री ने ट्रांजिट कैंप में श्रद्धालुओं के लिए की गई पंजीकरण व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने कहा यह सुनिश्चित किया जाए की श्रद्धालुओं को रजिस्ट्रेशन के लिए इंतजार ना करना पड़े। उन्होंने स्वास्थ्य जांच केंद्रों का निरीक्षण कर यात्रियों के स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान देने को बात कही। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया। बढ़ती गर्मी को देखते हुए उन्होंने ट्रांजिट कैंप में अतिरिक्त कुलर लगाने तथा पेयजल एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं को पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को बेहतर भीड़ प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि चारधाम यात्रा में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने ट्रांजिट कैंप में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों से भी संवाद किया। उन्होंने सभी कर्मचारियों को अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने की सलाह देते हुए कहा कि चारधाम यात्रा में आने वाले श्रद्धालुओं का ष्अतिथि देवो भवःष की भावना के साथ स्वागत करें तथा उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने ट्रांजिट कैंप में मौजूद श्रद्धालुओं से भी संवाद कर यात्रा व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश एवं बिहार सहित विभिन्न राज्यों से आए यात्रियों ने चारधाम यात्रा के लिए की गई व्यवस्थाओं की सराहना की। श्रद्धालुओं ने पंजीकरण, स्वास्थ्य जांच, आवास एवं अन्य सुविधाओं को संतोषजनक बताया। कई बुजुर्ग श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री से भेंट कर उन्हें आशीर्वाद दिया तथा यात्रा को सुगम और व्यवस्थित बनाने के लिए आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं का कुशलक्षेम जाना और उन्हें सुरक्षित एवं सुखद यात्रा की शुभकामनाएं दीं। ट्रांजिट कैंप में श्रद्धालुओं के लिए एलईडी स्क्रीन के माध्यम से रामायण एवं महाभारत के प्रसारण की विशेष व्यवस्था की गई है। यात्रियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे प्रतीक्षा के दौरान उन्हें आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक वातावरण का अनुभव हो रहा है। उत्तर प्रदेश से आई कामिनी ने कहा कि ष्वह गुरुवार से अपनी चार धाम यात्रा शुरू करेंगी। आज सुबह उन्होंने रजिस्ट्रेशन करवा लिया है। वह सुबह से ही ट्रांसिट कैंप में बैठी हैं, वहां कूलर, पंखे, पानी की पर्याप्त व्यवस्था है उन्होंने बताया साथ ही टीवी में रामायण चलने से उनका समय भी अच्छा बीत रहा है।ष उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ से आए शुभम ने बताया कि ष्वो अपने 3 दोस्तों के साथ चार धाम यात्रा से वापस ऋषिकेश लौटे आए हैं, आज सुबह से ही वह ट्रांजिट कैंप में हैं। उन्होंने अपनी यात्रा शुरू भी ट्रांसिट कैंप से की थी, जहां उन्हें सुविधा इतनी अच्छे लगी की वह लौटते समय भी यहां ठहरने के लिए आए हैं।ष मध्य प्रदेश से आए ओमप्रकाश ने बताया कि वह भी सुबह ही ट्रांजिट कैंप पहुंचे हैं और आगे की यात्रा की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने ट्रांजिट कैंप में ही अपना भोजन किया और स्वास्थ्य जांच करवाई। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा की गई व्यवस्थाओं की सराहना की। ट्रांजिट कैंप परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए निरंतर लंगर एवं निःशुल्क भोजन-पानी की व्यवस्था की जा रही है। एक ओर जहाँ स्वयंसेवकों द्वारा यात्रियों को भोजन की सेवा उपलब्ध कराई जा रही है तो वहीं दूसरी ओर, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा कैंप परिसर में स्थानीय उत्पादों की बिक्री भी की जा रही है। इन स्टॉलों के माध्यम से स्थानीय हस्तशिल्प, पारंपरिक उत्पाद एवं स्वरोजगार से जुड़े सामान यात्रियों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे जहां एक ओर महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण का अवसर मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर स्थानीय उत्पादों को भी बढ़ावा मिल रहा है।

# कैबिनेट मंत्री ने की विकास कार्यों की समीक्षा

मसूरी। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने आज मसूरी नगर पालिका टाउन हॉल में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ संचालित एवं प्रस्तावित विकास कार्यों की समीक्षा

बैठक की। बैठक में क्षेत्र के विकास कार्यों की प्रगति का विस्तृत जानकारी लेते हुए अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने मसूरी में पेयजल की समस्या को गंभीरता से लेते हुए जल निगम एवं जल संस्थान के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि 24 घंटे के भीतर पेयजल आपूर्ति एवं वितरण व्यवस्था को सुचारु बनाया जाए। मंत्री जोशी ने अधिकारियों को पानी की लाइनों में होने वाले लीकेज को तत्काल चिन्हित कर उनकी मरम्मत सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए, ताकि जल की बर्बादी रोकी जा सके और आम जनता को निर्बाध पेयजल उपलब्ध हो सके। उन्होंने अधिकारियों को सप्ताह में एक दिन स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर समस्याओं की समीक्षा एवं समाधान की प्रभावी मॉनिटरिंग करने के भी निर्देश दिए।कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने मसूरी में एसटीपी निर्माण, सीवर ट्रीटमेंट तथा पैचवर्क से संबंधित कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को क्षेत्र में संचालित एवं प्रस्तावित सड़कों के निर्माण, सुधारीकरण एवं डामरीकरण कार्यों में तेजी लाने को कहा। साथ ही किमाड़ी मोटर मार्ग के निर्माण कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में मॉल रोड के सुधारीकरण एवं जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान पर भी चर्चा की गई। मंत्री जोशी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने इको पार्क एवं जीरो प्वाइंट पार्किंग से संबंधित योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की। बरसात के मौसम को देखते हुए मंत्री गणेश जोशी ने वन विभाग के अधिकारियों को ऐसे पेड़ों की पहचान कर उनकी समय रहते लॉपिंग करने के निर्देश दिए, जो दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि जनसुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। बैठक के दौरान विद्युत विभाग के अधिकारियों को पुराने विद्युत पोलों की शिफ्टिंग से संबंधित इस्टीमेट एवं अन्य आवश्यक कागजी कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। समीक्षा के दौरान नगर पालिका द्वारा देहरादून-मसूरी मार्ग पर संचालित टोल व्यवस्था को फास्टैग आधारित बनाने के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने परिवहन विभाग के अधिकारियों को मसूरी में ई-ऑटो सेवा के ट्रायल रन प्रारंभ करने के निर्देश देते हुए मंत्री जोशी ने कहा कि इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय परिवहन व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने सभी विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए विकास योजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने तथा जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष मीरा सकलानी मंडल अध्यक्ष रजत अग्रवाल, उपजिलाधिकारी राहुल कुमार, ईई लोक निर्माण विभाग राजेश कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

# अर्थव्यवस्था को गति देने वाली योजनाएं हो जिला प्लान में शामिल : डीएम

देहरादून। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने वित्तीय वर्ष 2026-27 की जिला योजना संरचना को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक में सभी विभागों को जनहित आधारित, व्यावहारिक एवं नवाचारयुक्त योजनाएं प्रस्तावित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों से प्राप्त सुझावों और प्रस्तावों को शामिल करते हुए जिले के संतुलित एवं समग्र विकास को ध्यान में रखकर जिला योजना संरचना तैयार की जाए।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि प्रत्येक विभाग कम से कम एक अभिनव (इनोवेटिव) एवं स्थायी (सस्टेनेबल) परियोजना को जिला योजना में अनिवार्य रूप से शामिल करे तथा उसके अपेक्षित परिणामों की विस्तृत रिपोर्ट भी प्रस्तुत करे। उन्होंने कहा कि राजधानी देहरादून की अर्थव्यवस्था और स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए ऐसी योजनाएं बनाई जाएं, जिनका लाभ सीधे आमजन तक पहुंचे।

बैठक में जिलाधिकारी ने अधूरी एवं लंबित योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला योजना के अंतर्गत केवल उन्हीं परियोजनाओं को शामिल किया जाए जिनकी भूमि उपलब्ध हो, विवाद रहित हों तथा जिन्हें वर्तमान या अगले वित्तीय वर्ष तक पूरा किया जा सके। उन्होंने चेतावनी दी कि पर्याप्त धनराशि उपलब्ध होने के बावजूद योजनाएं समय पर पूरी न होना संबंधित विभाग की गंभीर विफलता मानी जाएगी, जिसके लिए जवाबदेही तय करते हुए कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उद्योग, कृषि, उद्यान, पशुपालन, मत्स्य पालन, दुग्ध विकास एवं आजीविका संवर्धन से जुड़े प्रस्तावों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। ब्लूबेरी फार्मिंग, ट्राउट मत्स्य उत्पादन, पोल्ट्री फार्मिंग तथा गन्ना उत्पादन जैसी गतिविधियों को प्रोत्साहित करने पर भी जोर दिया। साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के समन्वय (कन्वर्जेंस) से अधिक प्रभावी परिणाम प्राप्त करने की बात कही।

# सम्पादकीय

## परिवर्तनकारी शासन

सरकार ने पिछले 12 वर्षों में व्यापक सुधारों के माध्यम से भारत के मध्य वर्ग का सशक्तीकरण किया है। सरल कराधान तथा ज्यादा मजबूत बैंकिंग, बीमा और पेंशन प्रणालियों से वित्तीय सुरक्षा में वृद्धि हुई है। विस्तार लेते शहरी विकास, बेहतर कनेक्टिविटी और अवसंरचना में सुधार से नए अवसर पैदा हुए हैं। बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच में सुधार, सुगम स्वास्थ्यसेवा, सुदृढ़ शिक्षा और कौशल विकास तथा बेजोड़ डिजिटल शासन से रोजमर्रा की सुविधाएं बेहतर हुई हैं। ये सभी कदम मिल कर संपत्ति सृजन और दीर्घकालिक स्थिरता के लिए सुरक्षित मार्ग प्रदान करते हैं। सरकार ने पिछले 12 वर्षों में भारतीय मध्य वर्ग की वित्तीय सुरक्षा को मजबूत किया है। कराधान में कमी, बैंकिंग तक पहुंच में सुधार, व्यापक बीमा कवरेज और पेंशन के विस्तार से वित्तीय तनाव में कमी आई है। रियायती ब्याज दरों और डिजिटल सुधारों से बचत, ऋण और वित्तीय योजना निर्माण ज्यादा सुगम और सुविधाजनक हो गया है। कराधान का सरलीकरण- सरकार ने जुलाई, 2024 में आयकर अधिनियम, 1961 की विस्तृत समीक्षा की घोषणा की। इस समीक्षा को रिकॉर्ड समय में पूरा कर लिया गया। आयकर अधिनियम, 2025 अप्रैल 2026 में लागू हो गया। इन कर सुधारों से मध्य वर्ग पर वित्तीय बोझ में उल्लेखनीय कमी आई है। वर्ष 2014 में 2.5 लाख रुपए तक वार्षिक आमदनी वाले व्यक्तियों को कर नहीं देना पड़ता था। वर्ष 2023 में शुरू की गई नई कर व्यवस्था के अंतर्गत अब 12 लाख रुपए वार्षिक आमदनी (वेतनभोगी व्यक्तियों के लिए मानक कटौती के साथ 12.75 लाख रुपए) तक कोई कर नहीं देना होता है। इससे व्यक्तियों की बचत, खर्च योग्य आमदनी और वित्तीय विकल्पों में बढ़ोतरी हुई है। माल और सेवा कर (जीएसटी)- जुलाई 2017 में लागू किया गया जीएसटी भारत का स्वतंत्रता के बाद का सबसे महत्वपूर्ण परोक्ष कर सुधार है। इसने विभिन्न केंद्रीय और राज्यीय करों को एक प्रणाली में समेट कर साझा राष्ट्रीय बाजार को जन्म दिया है। जीएसटी ने करों का सरलीकरण कर और रोजमर्रा के खर्चों में कमी लाकर खास तौर से मध्य वर्ग को कई स्पष्ट लाभ प्रदान किए हैं। अनिवार्य वस्तुओं के लिए कम दर और युक्तिसंगत स्लैब से रोजमर्रा का उपभोग ज्यादा किफायती हो गया है। लगभग 9 वर्षों में दरों को युक्तिसंगत बनाए जाने और डिजिटलीकरण से जीएसटी बेहतर होकर परोक्ष कराधान की रीढ़ बन गया है। जीएसटी करदाताओं का आधार 2017 में 66.5 लाख से बढ़ कर अप्रैल 2026 तक 1.64 करोड़ हो चुका है। एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस)- अप्रैल 2025 से प्रभावी यूपीएस से केंद्र सरकार के कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति के बाद सुरक्षा मजबूत हुई है। ये कर्मचारी भारत में मध्य वर्ग का एक बड़ा हिस्सा हैं। यूपीएस एक अंशदायी ढांचे के अंतर्गत कर्मचारी और सरकार के योगदानों को जोड़ कर सेवानिवृत्ति के बाद एक सुनिश्चित और महंगाई संबद्ध पेंशन लाभ मुहैया कराती है। यूपीएस कम-से-कम 10 वर्ष की सेवा के बाद अवकाश ग्रहण की स्थिति में न्यूनतम 10000 रुपए मासिक पेंशन की गारंटी करती है। यह सेवानिवृत्ति के बाद आय और वित्तीय स्थिरता के बारे में अनिश्चितता को घटाती है।

# बद्रीनाथ भगवान विष्णु को समर्पित मंदिर

देहरादून। उत्तराखंड चारधाम यात्रा यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ का इतिहास सदियों पुराना है और यह मुख्य रूप से पौराणिक कथाओं से जुड़ा है। इसे 8वीं शताब्दी में महान दार्शनिक आदि शंकराचार्य द्वारा एक संगठित तीर्थयात्र के रूप में स्थापित किया गया था। आदि शंकराचार्य: उन्होंने इन चारों धामों के मंदिरों का जीर्णोद्धार किया और इन्हें हिंदू धर्म में मोक्ष प्राप्ति का प्रमुख मार्ग माना।

अलंकनंदा नदी की बायी ओर स्थित बद्रीनाथ भगवान विष्णु को समर्पित एक मंदिर है। ऐसा माना जाता है कि भगवान विष्णु ने हजारों साल पहले यहां तपस्या की थी बद्रीनाथ मंदिर के पास व्यास गुफा है। जहां ऋषि वेदव्यास ने महाभारत और अन्य शास्त्र लिखे थें। इसे भगवान विष्णु का निवास माना जाता है, जहाँ भगवान विष्णु ने नर नारायण के रूप में तपस्या की थी। बद्रीनाथ धाम की कहानी सतयुग से जुड़ी है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान विष्णु ने इस क्षेत्र में कठोर तपस्या की थी। उस समय अत्यधिक ठंड से उन्हें बचाने के लिए माता लक्ष्मी ने श्बद्रीश (बेर) का वृक्ष बनकर उन्हें छाया प्रदान की थी। इसी कारण इस स्थान का नाम श्बद्रीनाथश पड़ा।

बद्रीनाथ क्षेत्र को नर-नारायण पर्वत के बीच बसा माना जाता है। हिंदू धर्म ग्रंथों के अनुसार, धर्म और उनकी पत्नी मूर्ति ने पुत्र प्राप्ति के लिए तपस्या की थी, जिससे प्रसन्न होकर भगवान विष्णु ने उनके घर श्नरश और श्नारायणश के रूप में अवतार लिया। इन दोनों भाइयों ने इस जगह पर मानव कल्याण और धर्म की स्थापना के लिए सदियों तक कठोर तपस्या की। बद्रीनाथ मन्दिर में हिंदू धर्म के देवता विष्णु के एक रूप ष्बद्रीनारायणष की पूजा होती है। यहाँ उनकी ३.३ फीट लंबी शालिग्राम से निर्मित मूर्ति है जिसके बारे में मान्यता है कि इसे आदि शंकराचार्य ने ८वीं शताब्दी में समीपस्थ नारद कुण्ड से निकालकर स्थापित किया था। इस मूर्ति को कई हिंदुओं द्वारा विष्णु के आठ स्वयं व्यक्त क्षेत्रों में से एक माना जाता है। यद्यपि, यह मन्दिर उत्तर भारत में स्थित है, ष्रावलष कहे जाने वाले यहाँ के मुख्य पुजारी दक्षिण भारत के केरल राज्य के नम्बूदरी सम्प्रदाय के ब्राह्मण होते हैं। विष्णु पुराण, महाभारत तथा स्कन्द पुराण जैसे कई प्राचीन ग्रन्थों में इस मन्दिर का उल्लेख मिलता है। आठवीं शताब्दी से पहले आलवार सन्तों द्वारा रचित नालयिर दिव्य प्रबन्ध में भी इसकी महिमा का वर्णन है। एक अन्य संकल्पना अनुसार इस मन्दिर को बद्री-विशाल के नाम से पुकारते हैं और विष्णु को ही समर्पित निकटस्थ चार अन्य मन्दिरों ख्र (केदारखण्ड) के रूप में अवस्थित था। जब गंगा नदी धरती पर अवतरित हुई, तो यह बारह धाराओं में बँट गई, तथा इस स्थान पर से होकर बहने वाली धारा अलकनन्दा के नाम से विख्यात हुई। मान्यतानुसार भगवान विष्णु जब अपने ध्यानयोग हेतु उचित स्थान खोज रहे थे, तब उन्हें अलकनन्दा के समीप यह स्थान बहुत भा गया। नीलकण्ठ पर्वत के समीप भगवान विष्णु ने बाल रूप में अवतार लिया, और क्रंदन करने लगे। उनका रूदन सुन कर माता पार्वती का हृदय द्रवित हो उठा, और उन्होंने बालक के समीप उपस्थित होकर उसे मनाने का प्रयास किया, और बालक ने उनसे ध्यानयोग करने हेतु वह स्थान मांग लिया। यही पवित्र स्थान वर्तमान में बद्रीविशाल के नाम से सर्वविदित है। हिमालय में स्थित बद्रीनाथ क्षेत्र भिन्न-भिन्न कालों में अलग नामों से प्रचलित रहा है। स्कन्दपुराण में बद्री क्षेत्र को ष्मुक्तिप्रदाष के नाम से उल्लेखित किया गया है, जिससे स्पष्ट हो जाता है कि सत युग में यही इस क्षेत्र का नाम था। त्रेता युग में भगवान नारायण के इस क्षेत्र को ष्योग सिद्धष, और फिर द्वापर युग में भगवान के प्रत्यक्ष दर्शन के कारण इसे ष्मणिभद्र आश्रमष या ष्विशाला तीर्थष कहा गया है। कलियुग में इस धाम को ष्बद्रिकाश्रमष अथवा ष्बद्रीनाथष के नाम से जाना जाता है। स्थान का यह नाम यहाँ बहुतायत में पाए जाने वाले बद्री (बेर) के वृक्षों के कारण पड़ा था। एडविन टीङ्ख एटकिंसन ने अपनी पुस्तक, ष्द हिमालयन गजेटियरष में इस बात का उल्लेख किया है कि इस स्थान पर पहले बद्री के घने वन पाए जाते थे, हालाँकि अब उनका कोई निशान तक नहीं बचा है।

केदारनाथ मन्दिर भारत के उत्तराखण्ड राज्य के रुद्रप्रयाग जिले में स्थित हिन्दुओं का प्रसिद्ध मंदिर है। उत्तराखण्ड में हिमालय पर्वत की गोद में केदारनाथ मन्दिर बारह ज्योतिर्लिंग में सम्मिलित होने के साथ चार धाम और पंच केदार में से भी एक है। पत्थरों से बने कत्यूरी शैली से बने इस मन्दिर के बारे में कहा जाता है कि इसका निर्माण पाण्डवों के पौत्र महाराजा जन्मेजय ने कराया था। यहाँ स्थित स्वयम्भू शिवलिंग अति प्राचीन है। आदि शंकराचार्य ने इस मन्दिर का जीर्णोद्धार करवाया। हजारों साल पुराना एक पवित्र तीर्थस्थल केदारनाथ एक पहाड़ी की चोटी पर स्थित है जहां कठिन यात्र के बाद पहुंचा जाता है। मंदिर भगवान शिव को समर्पित है और यहीं पर देवता की पूजा लिंगम के रूप में की जाती है। केदारनाथ की यात्र वास्तव में धन्य है। महाभारत के युद्ध के बाद पांडवों ने भगवान शिव की खोज की और यहाँ केदारनाथ मंदिर की स्थापना की। मंदिर के पास और भी पवित्र स्थान है जैसे आदि शंकराचार्य, कालीमठ, गौरकुण्ड और सोनप्रयाग की समाधि स्थल यहां पर स्थित है। केदारनाथ की बड़ी महिमा है। उत्तराखण्ड में बद्रीनाथ और केदारनाथ-ये दो प्रधान तीर्थ हैं, दोनो के दर्शनों का बड़ा ही माहात्म्य है। केदारनाथ के संबंध में लिखा है कि जो व्यक्ति केदारनाथ के दर्शन किये बिना बद्रीनाथ की यात्रा करता है, उसकी यात्रा निष्फल जाती है और केदारनाथ सहित नर-नारायण-मूर्ति के दर्शन का फल समस्त पापों के नाश पूर्वक जीवन मुक्ति की प्राप्ति बतलाया गया है। केदारनाथ जी के तीर्थ पुरोहित इस क्षेत्र के प्राचीन ब्राह्मण हैं, उनके पूर्वज ऋषि-मुनि भगवान नर-नारायण एवं दक्ष प्रजापति के समय से इस ज्योतिर्लिंग की पूजा करते आ रहे हैं। पांडवों के पोत्र राजा जन्मेजय ने उन्हें इस मंदिर में पूजा करने का अधिकार दिया था एवं यह सम्पूर्ण केदार क्षेत्र उन्हें दान स्वरुप दिया था। और वे तब से यहां पर तीर्थयात्रियों की पूजा कराते आ रहे हैं। शुक्ल यजुर्वेद अथवा बाजसेन संहिता का पाठ करने के कारण ये लोग शुक्ला अथवा बाजपेयी कहलाते हैं, शुक्ल यजुर्वेद की माध्यन्दिन शाखा के अनुयायी होने के कारण इनके गोत्र शांडिल्य, उपमन्यु, धौम्य आदि हैं। दक्षिण भारत से जंगम समुदाय के पुजारी मंदिर में शिव लिंग की पूजा करते हैं, जबकि तीर्थ यात्रियों की ओर से पूजा तीर्थ पुरोहित ब्राह्मणों द्वारा की जाती है। मन्दिर की पूजा श्री केदारनाथ द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक माना जाता है। प्रात:काल में शिव-पिण्ड को प्राकृतिक रूप से स्नान कराकर उस पर घी-लेपन किया जाता है। तत्पश्चात धूप-दीप जलाकर आरती उतारी जाती है। इस समय यात्री-गण मंदिर में प्रवेश कर पूजन कर सकते हैं, लेकिन संध्या के समय भगवान का श्रृंगार किया जाता है। उन्हें विविध प्रकार के चित्ताकर्षक ढंग से सजाया जाता है। भक्तगण दूर से केवल इसका दर्शन ही कर सकते हैं।

राजा भगीरथ की कठोर तपस्या से गंगा माता पृथ्वी पर अवतरित हुईं, और यह पवित्र स्थल गंगोत्री धाम के नाम से विख्यात हुआ। गंगोत्री को मां गंगा का उदगम स्थल भी माना जाता है। यहां से शुरू हुई मां गंगा गंगासागर में जाकर मिलती है।

गंगोत्री में स्नान करने आदि अनादि काल के पाप भी धुल जाते है।

गढ़वाल हिमालय का सबसे पश्चिमी मंदिर यमुनोत्री वह स्थान है जहां से पवित्र नदी यमुना का उदगम होता है। जानकीचट्टी में गर्म पानी के झरने है। जहां तीर्थयात्री यमुना मंदिर की ओर अपनी यात्र शुरू करने के पहले डुबकी लगातें है। बहुत पहले टिहरी गढ़वाल के महाराजा प्रताप शाह ने देवी नदी का मंदिर बनवाया था जहां सूर्यकुण्ड स्थित है। यमुनोत्री धाम सूर्य पुत्री यमुना और यमराज के रहस्य से जुड़ा है।

# मुख्यमंत्री ने किया 3 योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास

ऋषिकेश। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज ऋषिकेश में अखिल भारतीय महापौर परिषद की 117वीं कार्यकारी समिति बैठक कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने रुपये 29.78 करोड़ की 3 योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इसमें रुपए 23.15 करोड़ की एक योजना का लोकार्पण एवं रुपए 6.63 करोड़ की दो योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। साथ ही मुख्यमंत्री ने विभिन्न स्थलों का भी निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने विभिन्न शहरों के मेयर का स्वागत करते हुए कहा कि सभी मेयर अपने शहर के प्रथम नागरिक और शहरवासियों की आशाओं, अपेक्षाओं और विश्वास के भी प्रतिनिधि हैं। आपके निर्णय का प्रभाव आने वाली पीढ़ियों के भविष्य पर भी पड़ता है। उन्होंने कहा कि हमारे देश की आत्मा गाँवों में बसती है, तो हमारे नागरिकों के सपने, उनकी आकांक्षाएँ और उनके भविष्य की संभावनाएँ शहरों में आकार लेती हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का उत्तराखण्ड से विशेष लगाव है। प्रधानमंत्री ने अपने जीवन के महत्वपूर्ण पलों को उत्तराखण्ड में बिताया है। वह उत्तराखण्ड के प्रत्येक क्षेत्र से भली भाँति परिचित हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में इस वर्ष चारधाम यात्रा में अब तक कुल 45 दिनों में 30 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने यात्रा की है,जो एक नया रिकॉर्ड है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि श्रद्धालुओं की यात्रा सरल, सुगम, सुरक्षित हो। पहले आदि कैलाश में 500 लोग आते थे, इस वर्ष यात्रा शुरू होने से अब तक प्रतिदिन करीब एक हजार लोग आदि कैलाश पहुंच रहे हैं। मां पूर्णागिरि मंदिर में भी 24 लाख लोगों ने दर्शन कर लिए हैं। बीते चार सालों में 23 करोड़ से ज्यादा पर्यटक उत्तराखण्ड आ चुके हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत में शहरी विकास के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं। आज स्वच्छ भारत मिशन के माध्यम से देश के लाखों शहरों में साफ-सफाई की नई संस्कृति विकसित हुई है। स्मार्ट सिटी मिशन द्वारा आधुनिक एवं सुव्यवस्थित शहरी विकास का मॉडल विकसित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से लाखों गरीब परिवारों का घर का सपना साकार हुआ है। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के माध्यम से रेहड़ी-पटरी वालों को आत्मनिर्भर बनाने का कार्य हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में देवभूमि उत्तराखण्ड के शहरों के विकास को नई गति दी जा रही है। उत्तराखण्ड में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत प्रत्येक नगर में ठोस कचरा प्रबंधन और सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा रहा है। स्मार्ट सिटी मिशन, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, अमृत मिशन, खुले में शौच मुक्त अभियान और लीगेसी वेस्ट प्रबंधन जैसी विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उत्तराखण्ड के प्रत्येक नागरिक को दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों के गरीब परिवारों को सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश में पहली बार नगर निकायों में अर्बन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर स्थापित किए गए हैं। राज्य में निराश्रित गौवंशों को आश्रय प्रदान करने के उद्देश्य से आश्रय योजना प्रारम्भ की है। स्थानीय निकायों में श्वानों की बढ़ती संख्या की रोकथाम हेतु एनिमल बर्थ कंट्रोल योजना की शुरुआत की है। हरित क्षेत्रों के विकास और प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में भी प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल व राम सिंह कैड़ा, विधायक प्रेमचंद्र अग्रवाल, मेयर शंभू पासवान, श्रीमती रेनू बाला गुप्ता, आशुतोष एवं देश भर के विभिन्न शहरों से मेयर उपस्थित रहे।

# श्रीनगर विधानसभा क्षेत्र का सर्वांगीण विकास सरकार की प्राथमिकता

पौड़ी/देहरादून। कैबिनेट मंत्री एवं श्रीनगर विधायक डॉ. धन सिंह रावत ने बुधवार को पैठाणी, पाबौ और खिर्सू क्षेत्र के भ्रमण के दौरान विभिन्न धार्मिक, सामाजिक एवं विकासात्मक कार्यक्रमों में प्रतिभाग करते हुए करोड़ों रुपये की विकास योजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर क्षेत्र की समस्याओं एवं विकास संबंध ी आवश्यकताओं की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

भ्रमण के दौरान कैबिनेट मंत्री ने पैठाणी स्थित प्रसिद्ध राहु मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने मंदिर परिसर में संचालित सौंदर्यीकरण एवं निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। इससे श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। पाबौ क्षेत्र में मंत्री ने 55.50 लाख रुपये की लागत से बनने वाले बिडोली विद्युत उपकेंद्र का शिलान्यास किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने राजकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय पसीणा में 9.14 लाख रुपये की लागत से होने वाले भवन निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कार्य तथा 2.10 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से किए जाने वाले मोल्काखाल-टीला मोटर मार्ग के वन टाइम मेंटेनेंस कार्य का भी शिलान्यास किया।

उन्होंने कहा कि सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं का विस्तार ग्रामीण विकास की आधारशिला है। राज्य सरकार दूरस्थ क्षेत्रों तक विकास की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस अवसर पर उन्होंने ग्राम पिनाकोट, बगाड़ियूं, स्योली तल्ली एवं स्योली मल्ली के ग्रामीणों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए उनका अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान किया।

खिर्सू क्षेत्र में मंत्री ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय डोबरी में 30.70 लाख रुपये की लागत से होने वाले निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया, जबकि राजकीय प्राथमिक विद्यालय भैंसवाड़ा में पूर्ण हो चुके निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर निवेश कर रही है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता विकास की रोशनी को अंतिम छोर तक पहुंचाना है। सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल एवं धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। सरकार का लक्ष्य प्रत्येक गांव तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना तथा युवाओं, महिलाओं और किसानों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य शिव चरण नौडियाल, हरेंद्र नेगी, गणेश नेगी राठी, वीरेंद्र रावत, मातवर सिंह रावत, धूम सिंह, शिव लाल, पंकज सिंह रावत, अनिल सिंह नेगी, ग्राम प्रधान टीला गीता देवी, दीपक त्रिपाठी, अनिल नेगी सहित अनेक जनप्रतिनिधि, ग्रामीण एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

## रिस्पना नदी के पानी को व्यवस्थित तरीके से मोड़ने के लिए करवाया गया था ऐतिहासिक नहर का निर्माण

देहरादून। देहरादून घाटी में सत्रहवीं शताब्दी के मध्य में गढ़वाल राज्य की राजमाता महारानी कर्णावती महारानी कर्णावती और उनके सहयोगी कुंवर अजब सिंह द्वारा रखी गई थी। उन्होंने पहाड़ों से निकलने वाली रिस्पना नदी के पानी को व्यवस्थित तरीके से मोड़ने के लिए इस ऐतिहासिक नहर का निर्माण करवाया था, ताकि तत्कालीन डेहरा शहर के रिहायशी इलाकों को पीने का पानी और कृषि भूमि को सिंचाई मिल सके। महारानी कर्णावती द्वारा निर्मित इसी अकेली मुख्य नहर की देखरेख आगे चलकर कई दशकों तक गुरु राम राय दरबार साहब के महंतों द्वारा की गई। इसके बहुत बाद, ब्रिटिश शासनकाल में वर्ष 1841 से 1844 के बीच प्रसिद्ध ब्रिटिश सिविल इंजीनियर कैप्टन प्रोबी टी. कॉटले ने इस राजपुर कैनाल को पुनर्जीवित किया, इसकी वैज्ञानिक मरम्मत की और इसे पूरी तरह पक्का बनाकर नया रूप दिया। कैप्टन कॉटले ने ही इस नहर के पानी को दून के मुख्य केंद्र तक पहुंचाने के लिए उप-शाखाओं का एक सुनियोजित जाल तैयार किया था, जो पानी को डिस्पेंसरी रोड, पलटन बाजार और दरबार साहब के पवित्र तालाबों तक ले जाता था। यही जलधारा आगे चलकर वर्ष 1948 से 1953 के बीच निर्मित हुए घंटाघर के विशिष्ट वास्तुशिल्प और उसके छह-कोणीय अंडाकार घेरे के साथ मुड़कर बहती थी, जिसे पुराने दूनवासी श्घड़ी के अंडाकार वाली नहरश् के रूप में याद करते हैं। वर्ष 1839 से 1841 के बीच बनी बीजापुर नहर टोंस नदी से निकलकर गढ़ी कैंट और डाकरा से होते हुए कौलागढ़ से कांवली गाँव की तरफ बहती थी। इसका मुख्य उद्देश्य पश्चिमी दून के इन मैदानी इलाकों में कृषि भूमि और चाय बागानों की सिंचाई करना था। राजपुर नहर के निर्माण के लगभग दो सौ साल बाद पूर्वी दून के विकास के लिए खालंगा कैनाल की रूपरेखा तैयार की गई थी। ब्रिटिश अभिलेखों के अनुसार, 1845 में कैप्टन कॉटले ने सॉन्ग नदी से एक नई नहर निकालने का प्रस्ताव दिया था, जिससे पहले तत्कालीन ब्रिटिश सुपरिटेंडेंट मिस्टर वैनसिटार्ट ने सॉन्ग नदी से रायपुर गांव तक एक कच्चा चौनल बनाया था। इसी व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए और क्षेत्र के जंगलों को कृषि भूमि में बदलने के उद्देश्य से ब्रिटिश सरकार द्वारा खालंगा कैनाल का वास्तविक निर्माण कार्य वर्ष 1855 में शुरू किया गया और यह नहर 1859-60 में पूरी तरह बनकर चालू हुई। शुरुआत में इसका हेडवर्क रायपुर के समीप सॉन्ग नदी के किनारे था, जिसे बाद में 1861 में सहस्रधारा और सॉन्ग नदी के संगम के पास चाँदुवाला नामक स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया और बाद के वर्षों में इसमें बंदल व सहस्रधारा के फीडर चौनल जोड़े गए। यह पूरी कैनाल लगभग 8.4 किलोमीटर तक मुख्य धारा के रूप में बहने के बाद नथूआवाला, मियांवाला और बद्रीपुर जैसी विभिन्न शाखाओं में विभाजित होकर लगभग 101 किलोमीटर का एक विशाल और अद्भुत नेटवर्क बनाती थी।

इन नहरों की सबसे बड़ी उपयोगिता यह थी कि इन्होंने गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत पर काम करते हुए पूरी दून घाटी के भूगोल को हरा-भरा बना दिया था।

# एसएसपी देहरादून की सटीक रणनीति से नशे के सिंडिकेट को ध्वस्त करती दून पुलिस

देहरादून। एसएसपी देहरादून प्रमेंद्र सिंह डोबाल की सटीक रणनीति से नशे के सिंडिकेट को ध्वस्त करती हुई दून पुलिस नजर आ रहीं हैं। दून पुलिस ने हाई प्रोफाइल ड्रग्स के साथ



कोबरा गैंग के 02 शातिर विदेशी पैडलरों सहित 03 नशा तस्करों को 02 मामलों में अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार कर लिया हैं। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से 20 लाख रुपये अनुमानित मूल्य की 20.92 ग्राम अवैध कोकिन बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार अभियुक्त बरामद कोकिन को दिल्ली से तस्करी कर देहरादून लाये थे। पूर्व में कोबरा गैंग की 09 विदेशी नशा तस्करो सहित 13 अभियुक्तो को पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर सलाखो के पीछे भेजा जा चुका है, जिनसे ढाई करोड रुपये की 200 ग्राम कोकीन की बरामदगी हुई थी।

वर्ष 2026 के शुरूवाती 05 माह में दून पुलिस द्वारा नशा तस्करों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए लगभग 03 करोड रू0 अनुमानित कीमत के मादक पदार्थों की बरामदगी की गई है। इस दौरान पुलिस द्वारा 01 किलो 230 ग्रा0 स्मैक, 09 किलो चरस, 51 किलो से अधिक गांजे व अन्य मादक पदार्थों व नशीली गोलियों व कैप्सूल के साथ 145 नशा तस्करों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड के "ड्रग्स फ्री देवभूमिष के विजन को साकार करने तथा वर्तमान में प्रचलित आपरेशन प्रहार के तहत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा सभी अध ीनस्थों को अपने-अपने क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी/बिक्री में लिप्त अभियुक्तों को चिन्हित करते हुए उनके विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है, जिसके अनुपालन में जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में दून पुलिस द्वारा लगातार मादक पदार्थों की तस्करी मे लिप्त अभियुक्तों को चिन्हित करते हुए उनके विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही की जा रही है।

इसी क्रम में राजपुर पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए चौकिंग के दौरान मुखबिर के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि कोबरा गैंग से जुडे ड्रग पैडलर हाई प्रोफाइल पार्टियों में कोकिन की सप्लाई करने के लिये राजपुर क्षेत्र में आये हैं। प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए थाना क्षेत्रान्तर्गत अलग-अलग स्थानों पर सघन चौकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस टीम द्वारा जोहडी रोड निकट पुरानी मजार के पास से स्कूटी संख्या: यूके-07-एए-4478 पर सवार 02 शातिर विदेशी पैडलरों को 9.15 ग्राम तथा सीआईएसएफ तिराहा ओल्ड मसूरी रोड के पास स्विफ्ट डिजायर कार संख्या: यूके-07-टीडी-7532 से 01 अभियुक्त को 11.77 ग्राम अवैध कोकिन के साथ गिरफ्तार किया गया, जिनके विरूद्ध थाना राजपुर पर एनडीपीएस एक्ट के तहत अलग-अलग अभियोग पंजीकृत किये गये। गिरफ्तार तीनो पैडलर कोबरा गैंग से जुडे हैं, जो हाई प्रोफाइल पार्टियों में कोकिन की सप्लाई करने आये थे। पूर्व में राजपुर पुलिस द्वारा कोबरा गैंग के 13 पैडलरो सहित कई अन्य नशा तस्करो को भारी मात्रा में मादक पदार्थो के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

पूछताछ में विदेशी अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि वह कोबरा गैंग के सक्रिय सदस्य है तथा मूल रूप से सूडान देश के नागरिक है, अभियुक्त अक्सर अपने देश सूडान से देहरादून आते जाते रहते है। उनके द्वारा डिमांड के हिसाब से कोकीन दिल्ली से लाकर देश के अलग-अलग हिस्सों में अपने एजेंटो/पेडलरों को सप्लाई की जाती है। उक्त कोकीन को वे कुछ दिन पूर्व ही दिल्ली से लेकर आये थे, अभियुक्तों की योजना उक्त कोकीन को राजपुर क्षेत्रों में आयोजित होने वाली पार्टियों में सप्लाई करने की थी। अभियुक्तों से पूछताछ में उनके द्वारा उक्त कोकीन को अपने एक विदेशी साथी फ्रान्जी से लेकर आना बताया गया, गिरफ्तार अन्य अभियुक्त जावेद से पूछताछ में उसके द्वारा भी बरामद कोकीन को दिल्ली से जॉन नाम के व्यक्ति से लेकर आना तथा उसे देहरादून में आयोजित होने वाली पार्टियों में कालिंस नाम के एक अन्य ड्रग पैडलर के साथ सप्लाई करने की जानकारी दी गई। गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ के दौरान प्रकाश में आये अन्य नशा तस्करों के सम्बन्ध में और अधिक जानकारी एकत्रित कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे है। मादक पदार्थों की तस्करी में प्रयुक्त वाहनों को सीज किया गया। अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा 2500 रूपये नगद पुरूस्कार से पुरूस्कृत करने की घोषणा की गई।

नाम पता अभियुक्तगण:

(1)- डप्ब्भ्।म्स् प्ज्ञ्ञ। डम्ब्ड्ढैव्छ ै/० त्व्ठ. म्त्ज् त/0 हाल निवासी पंजाबी कॉलोनी हरिद्वार बायपास रोड निकट आईएसबीटी देहरादून, उम्र 25 वर्ष।

मूल निवासी-सूडान

(2)-स्म्टप्ज्ञप्ट ॅ।छप्ज्ञ ै/0 ॅ।छप्ज्ञ च्भ्प्स्थ् त/० हाल निवासी पंजाबी कॉलोनी हरिद्वार बायपास रोड निकट आईएसबीटी देहरादून, उम्र 24 वर्ष मूल निवासी सूडान 3-जावेद आलम पुत्र मुस्तफा निवासी रहमत कॉलोनी बरला रोड निकट बिजली घर देवबंद थाना देवबंद जनपद सहारनपुर उम्र 37 वर्ष।

# ट्रैकिंग और मैपिंग के लिए एक सिंगल प्लेटफार्म तैयार किए जाने के निर्देश

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सचिवालय में शिक्षा विभाग के अंतर्गत विद्यार्थियों की ट्रैकिंग एवं मैपिंग आदि के सम्बन्ध में सम्बन्धित विभागों के साथ बैठक ली। मुख्य सचिव ने प्रदेश के विद्यार्थियों की जन्म से लेकर शैक्षणिक और स्वास्थ्य सहित सम्पूर्ण गतिविधियों के ट्रैकिंग और मैपिंग किए जाने हेतु शिक्षा, तकनीकी शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग को ट्रैकिंग और मैपिंग के लिए एक सिंगल प्लेटफार्म तैयार किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी बच्चों की आभा और अपार आईडी बनाए जाने के भी निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि आभा आईडी और अपार आईडी के माध्यम से शिक्षा और स्वास्थ्य की ट्रैकिंग की जा रही है, इन दोनों प्लेटफार्म को और अधिक अपग्रेड करते हुए ऐसा मैकेनिज्म तैयार किया जाए ताकि बच्चे के जन्म से लेकर टीकाकरण, आंगनवाड़ी में प्रवेश उसके बाद विद्यालय में प्रवेश सहित शैक्षिक उपलब्धियों का डाटा उपलब्ध रहे। उन्होंने कहा कि जन्म के बाद टीकाकरण, आंगनवाड़ी और स्कूल



में एडमिशन से लेकर स्कूल पासआउट तक का डाटा संकलित रहे। सिस्टम द्वारा स्वत: अभिभावकों को भी एसएमएस चला जाए कि टीकाकरण या विद्यालय में प्रवेश के लिए बच्चा योग्य हो गया है। इसके साथ ही सम्बन्धित विभागों द्वारा भी बच्चे का फॉलोअप किया जा सके। इसके लिए मुख्य सचिव ने सभी संबंधित विभागों, एनआईसी और आईटीडीए के साथ मिलकर इसके लिए ब्रेन स्टोर्मिंग कर एक प्लेटफार्म तैयार करने के निर्देश देते हुए शीघ्र इसकी पुनः बैठक कराए जाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सचिव श्री रविनाथ रमन, श्री विनय शंकर पाण्डेय, श्री सी. रविशंकर, अपर सचिव सुश्री रीना जोशी सहित सम्बन्धित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

# विश्व पर्यावरण सप्ताह : यक्षवती नदी पुनर्जीवन एवं वृहद पौधरोपण

पिथौरागढ़। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 की थीम ष्प्रकृति से प्रेरित, जलवायु के लिए, हमारे भविष्य के लिएष के अंतर्गत 130 इन्फैंट्री बटालियन (टीए) ईको कुमाऊँ द्वारा आयोजित विश्व पर्यावरण सप्ताह के कार्यक्रमों के तहत आज यक्षवती नदी पुनर्जीवन अभियान एवं वृहद पौधरोपण अभियान का सफल आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में सैन्य बलों, अर्धसैनिक बलों, विद्यार्थियों एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। यक्षवती नदी के रई बगड क्षेत्र में आयोजित पुनर्जीवन एवं स्वच्छता अभियान में 130 इन्फैंट्री बटालियन (टीए) ईको कुमाऊँ, 12 कुमाऊँ, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवानों, एनसीसी कैडेट्स तथा जनरल बी.सी. जोशी आर्मी पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता की। अभियान के दौरान नदी तटों एवं जलध ारा के आसपास फैले प्लास्टिक, पॉलीथीन एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थों को हटाकर क्षेत्र की व्यापक सफाई की गई। साथ ही प्रतिभागियों को जल स्रोतों के संरक्षण एवं स्वच्छता के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। यक्षवती नदी पिथौरागढ़ नगर की एक महत्वपूर्ण जीवनरेखा है, जो वर्षों से स्थानीय नागरिकों एवं सैन्य प्रतिष्ठानों को पेयजल उपलब्ध कराती रही है। बढ़ते प्रदूषण एवं मानवीय हस्तक्षेप के कारण नदी के समक्ष उत्पन्न चुनौतियों को देखते हुए यह अभियान इसके संरक्षण एवं पुनर्जीवन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ। इसी क्रम में देवकटिया क्षेत्र में 130 इन्फैंट्री बटालियन (टीए) ईको कुमाऊँ के नेतृत्व में 348 मीडियम रेजिमेंट तथा 14वीं बटालियन आईटीबीपी के सहयोग से एक वृहद पौधरोपण अभियान भी संचालित किया गया। अभियान के दौरान विभिन्न प्रजातियों के 1,000 पौध ों का रोपण किया गया। यह पहल क्षेत्र में हरित आवरण बढ़ाने, मृदा संरक्षण को प्रोत्साहित करने तथा स्थानीय जैव विविध ता को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। 130 इन्फैंट्री बटालियन (टीए) ईको कुमाऊँ के सहायक कमान अधिकारी ले. कर्नल वीएस दानू ने बताया कि फोर्स उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण एवं वनीकरण कार्यों में अग्रणी भूमिका निभा रही है। बटालियन द्वारा नियमित रूप से वृक्षारोपण, जल स्रोत संरक्षण, मृदा संरक्षण तथा पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं। विश्व पर्यावरण सप्ताह के दौरान आयोजित ये गतिविधियाँ पर्यावरण संरक्षण के प्रति बटालियन की सतत प्रतिबद्धता का परिचायक हैं। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण, जल स्रोतों की स्वच्छता तथा वृक्षारोपण को जन-आंदोलन का स्वरूप देने का संकल्प लिया। स्थानीय नागरिकों एवं विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने यह संदेश दिया कि सामूहिक प्रयासों से ही प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण एवं सतत विकास सुनिश्चित किया जा सकता है। इन अभियानों के माध्यम से पिथौरागढ़ में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता को नई दिशा मिली है तथा यक्षवती नदी और क्षेत्र की हरित संपदा के संरक्षण हेतु एक मजबूत आधार तैयार हुआ है।

# तीन पालियों में होगी पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा

रुद्रप्रयाग। संयुक्त प्रवेश परीक्षा पॉलिटेक्निक रविवार को सब डिवीजन रुद्रप्रयाग के अंतर्गत राजकीय पॉलिटेक्निक रतूड़ा में आयोजित की जाएगी। उप जिला मजिस्ट्रेट सोहन सिंह सैनी ने बताया कि परीक्षा तीन पालियों में होगी। पहली पाली सुबह 9 से 11 बजे, दूसरी पाली दोपहर 12 से 2 बजे और तीसरी पाली अपराह्न 3 से 5 बजे तक चलेगी। आगामी 07 जून को आयोजित होने वाली परीक्षा को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए केंद्र में धारा-163 प्रभावी रहेगी। इस दौरान परीक्षा केंद्र से 100 गज की परिधि में पांच या उससे अधिक व्यक्तियों के एक साथ एकत्रित होने पर रोक रहेगी। बिना अनुमति आग्नेयास्त्र, लाठी, डंडा, चाकू, हॉकी, स्टिक या किसी भी तरह का धारदार हथियार ले जाना प्रतिबंधित रहेगा। एसडीएम सैनी ने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

# Bollywood Wrap Up | Sushmita Sen के बचाव में उतरे Lalit Modi, काला हिरण फिल्म पर सलमान खान का तगड़ा एक्शन!

आज का बॉलीवुड स्पेशल: आज मनोरंजन जगत में एक तरफ जहां पुरानी यादें और रिश्तों के नए खुलासे सुर्खियां बटोर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ बड़े सितारों की कानूनी जंग और बॉक्स ऑफिस के महामुकाबले ने हलचल तेज कर दी है। एक तरफ जहां सुष्मिता सेन के श्गोल्ड डिगरश विवाद पर सालों बाद ललित मोदी ने चौंकाने वाला बयान देकर ट्रोलर्स का मुंह बंद कर

दिया है, वहीं दूसरी तरफ अपकमिंग फिल्म श्काला हिरणश को लेकर सलमान खान की कानूनी टीम और फिल्म के निर्माताओं के बीच ठन गई है। इसके अलावा, रणबीर सिंह के श्डॉन 3श विवाद में नया मोड़ आने, कंगना रनौत के शुरुआती दिनों के संघर्षों के खुलासे और इस महीने बॉक्स ऑफिस पर होने जा रही बड़ी फिल्मों की टक्कर ने सिनेमा प्रेमियों की उत्सुकता को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। पूर्व आईपीएल चेयरमैन ललित मोदी ने साल 2022 में सुष्मिता सेन के साथ बहुचर्चित रिश्ते और उससे जुड़े विवाद पर लंबे समय बाद खुलकर बात की है साल 2022 में जब दोनों के रिश्ते का खुलासा हुआ था, तब सोशल मीडिया पर सुष्मिता सेन को श्गोल्ड डिगरश (पैसे के लिए रिश्ता रखने वाली) कहकरकाफी ट्रोल किया गया था, जिसका अब ललित मोदी ने जवाब दिया हैललित मोदी ने इंटरव्यू में पूर्व पार्टनर सुष्मिता सेन का खुलकर बचाव किया हैउन्होंने रिश्ते की सच्चाई बताते हुए खुलासा किया कि जब वे दोनों साथ थे, तब उनके रिश्ते के दौरान का सारा खर्च खुद सुष्मिता सेन ही उठाती थींमजाकिया और बेबाक अंदाज में ललित मोदी ने खुद को एक पाला-पोसा बॉयफ्रेंडष करार दिया, जिस पर पैसे खर्च किए जाते थे ललित मोदी ने कहा कि अगर किसी को कोई टैग देना ही है, तो उन्हें खुद को डायमंड डिगर कहना चाहिए, उन्होंने सुष्मिता के रूप में एक हीरा ढूंढा था FWICE पर हुआ केस- रणवीर सिंह के समर्थन में आए प्रोड्यूसर्स रणवीर सिंह और फरहान अख्तर की आगामी फिल्म डॉन 3 को लेकर चल रहा विवाद अब कानूनी लड़ाई में बदल गया है फिल्म फेडरेशन द्वारा रणवीर सिंह पर लगाए गए नॉन-कोऑपरेशन ऑर्डर के खिलाफ दिग्गज फिल्म निर्माता टी.पी. अग्रवाल ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है इस बीच, पद्मिनी कोल्हापुरे और कई बड़े फिल्ममेकर्स ने FWICE के इस एक्शन पर नाराजगी जताते हुए साफ कहा है कि पूरा इंडस्ट्री इस समय रणवीर सिंह के साथ खड़ा है काला हिरण फिल्म पर सलमान खान का लीगल एक्शन अपकमिंग फिल्म श्काला हिरण: द बैटल फॉर लेगेसीश को लेकर सलमान खान की लीगल टीम ने मेकर्स को नोटिस भेजकर फिल्म पर रोक लगाने और पोस्टर हटाने की मांग की है इस पर फिल्म के प्रोड्यूसर अमित जानी का कड़ा बयान आया है उन्होंने कहा, ष्यह सलमान खान की बायोपिक नहीं है, बल्कि बिश्नोई समुदाय के संघर्ष पर आधारित है। अभी सिर्फ पोस्टर रिलीज हुआ है, बिना टीजर देखे नोटिस भेजना जल्दबाजी है हम कोर्ट में अपना पक्ष रखेंगे, किसी दबाव में नहीं झुकेंगे।

## Welcome To The Jungle का नया गाना ऊंचा लंबा कद फॉरएवर रिलीज, 19 साल बाद फिर लौटे आनंद राज आनंद

बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा कॉमेडी फ्रेंचाइजी वेलकम (Wel-

come) एक बार फिर दर्शकों को हंसाने और थिरकने पर मजबूर करने के लिए तैयार है। इस महीने रिलीज होने जा रही फिल्म वेलकम टू द जंगल (Welcome To The Jungle) को लेकर फैंस का उत्साह चरम पर है। इसी बीच, मेकर्स ने सोमवार को फिल्म का एक नया गाना रिलीज कर दिया है, जिसने रिलीज होते ही इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। इस गाने का टाइटल है ऊंचा लंबा कद फॉरएवर (Uncha Lamba Kad Forever)। जी हां, आपने बिल्कुल सही पढ़ा! यह नया गाना साल 2007 में आई मूल फिल्म वेलकम के सुपरहिट और एवरग्रीन गाने ऊंचा लंबा कद का रीमिक्स (Remix) वर्शन है, जिसमें अक्षय कुमार और कैटरीना कैफ की केमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल जीत लिया था।

ऊंचा लंबा कद फॉरएवर अब रिलीज हो गया है

ओरिजिनल गाना आनंद राज आनंद ने कंपोज किया था, जबकि रीमिक्स वर्शन का म्यूजिक विक्रम मोंट्रोज ने दिया है। 2007 का गाना आनंद राज आनंद और कल्पना पटवारी ने गाया था। वहीं, इस नए गाने को आनंद राज आनंद और रुबाई ने अपनी आवाज दी है। इस नए वर्शन के बोल मेघा बाली ने लिखे हैं।

वेलकम टू द जंगल के मेकर्स और कास्ट

इस फिल्म में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, दिशा पटानी, जैकलीन फर्नांडिस, अरशद वारसी, जैकी श्रॉफ, परेश रावल, रवीना टंडन, लारा दत्ता, फरीदा जलाल, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, राजपाल यादव, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, दलेर मेहंदी, आफताब शिवदासानी, मुकेश तिवारी, यशपाल शर्मा, किरण कुमार, जाकिर हुसैन, विंदू दारा सिंह, उर्वशी रौतेला, हेमंत पांडे, बृजेंद्र काला, फिरोज खघन (अर्जुन), स्वर्गीय पंकज धीर जी, पुनीत इस्सर, सुदेश बेरी, जीतू वर्मा, वृही कोडवारा, आदित्य सिंह और भाग्य भानुशाली एक साथ नजर आएंगे।

वेलकम टू द जंगल को ।। नाडियाडवाला, केप ऑफ गुड फिल्म्स और स्टार स्टूडियो18 ने सीता फिल्म्स और राकेश डांग के साथ मिलकर पेश किया है। यह फिल्म बेस इंडस्ट्रीज ग्रुप का प्रोडक्शन है, जिसे राकेश डांग और वेदांत विकास बाली ने प्रोड्यूस किया है। फिरोज ए. नाडियाडवाला द्वारा निर्मित, श्वेलकम टू द जंगलश 26 जून, 2026 को सिनेमाघरों में धूम मचाने के लिए तैयार है।

# वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम 2026 का शुभारंभ

नई दिल्ली। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के युवा मामलों के विभाग ने मेरा युवा भारत (एमवाई भारत) के माध्यम से विकसित जीवंत ग्राम कार्यक्रम (वीवीवीपी) 2026 के पहले चरण का शुभारंभ किया है। यह एक अग्रणी युवा नेतृत्व वाली पहल है जिसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर भागीदारी को सुदृढ़ करना, राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना और भारत के सीमावर्ती गांवों में सतत विकास को प्रोत्साहित करना है। यह कार्यक्रम दो चरणों में कार्यान्वित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए कुल 500 श्एमवाई भारतश स्वयंसेवकों का चयन किया गया है। इनका चयन एक राष्ट्रव्यापी ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के माध्यम से किया गया, जिसमें 3 लाख से अधिक युवाओं ने भाग लिया था। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करने वाले स्वयंसेवकों को लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के चिन्हित सीमावर्ती गांवों में दो चरणों में तैनात किया जा रहा है। प्रथम चरण में 250 स्वयंसेवक 43 गांवों में गहन गतिविधियों में भाग ले रहे हैं, जबकि शेष 250 स्वयंसेवक इस महीने के अंत में 50 गांवों में द्वितीय चरण की गतिविधियों में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम युवा नागरिकों को सीमावर्ती गांवों में रहने और स्थानीय समुदायों के साथ सीधे जुड़ने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। गांववासियों, पंचायती राज संस्थाओं, स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा कर्मियों के साथ परस्पर बातचीत के माध्यम से, प्रतिभागी भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों की सामाजिक-आर्थिक वास्तविकताओं, सांस्कृतिक विरासत, विकासात्मक आकांक्षाओं और रणनीतिक महत्व से प्रत्यक्ष रूप से परिचित होंगे। सात दिवसीय गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम को सीमा जागरूकता, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, सामुदायिक जीवन, शासन, सामाजिक-आर्थिक मूल्यांकन, ग्राम विकास योजना, स्वयंसेवा और राष्ट्रीय एकता जैसे विषयगत क्षेत्रों के इर्द-गिर्द संरचित किया गया है। स्वयंसेवक घरेलू सर्वेक्षण करेंगे, ग्राम सभा की गतिविधियों में भाग लेंगे, स्वच्छता और पर्यावरण अभियानों में योगदान देंगे और गांवों में विकास के अवसरों की पहचान करने में सहायता करेंगे।इस कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा श्नेशन फर्स्ट चौलेंजश का प्रचार-प्रसार है, जो एक राष्ट्रव्यापी अभियान है और जिम्मेदार नागरिकता एवं टिकाऊ जीवनशैली को बढ़ावा देता है। एमवाई भारत के स्वयंसेवक इस अभियान के पांच प्रमुख विषयगत क्षेत्रों : स्वदेशी उत्पादों का अंगीकरण, स्वस्थ खाना पकाने की विधियाँ, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग और ईंधन संरक्षण, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना और स्थानीय पर्यटन के लिए मुखर समर्थन की सक्रिय रूप से सहायता करेंगे। सामुदायिक संपर्क और जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से, प्रतिभागी स्थानीय समुदायों को इन राष्ट्र-केंद्रित और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। यह कार्यक्रम गृह मंत्रालय और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के सहयोग से कार्यान्वित किया जा रहा है और राष्ट्र निर्माण की पहलों में युवाओं की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से 2047 तक एक विकसित भारत के निर्माण की परिकल्पना के अनुरूप है। कार्यक्रम के सफल कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर पर व्यापक तैयारियां की गई हैं। माय इंडिया, आईटीबीपी, राज्य सरकारों, जिला प्रशासनों और स्थानीय हितधारकों को शामिल करते हुए समन्वय तंत्र स्थापित किए गए हैं। सुचारू क्रियान्वयन को सुगम बनाने के लिए समर्पित नियंत्रण कक्ष, नोडल अधिकारी, ग्राम कार्य योजनाएं, प्रतिभागी अभिविन्यास सत्र और लॉजिस्टिक व्यवस्थाएं स्थापित की गई हैं। विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम 2026 भारत सरकार की युवा नागरिकों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदार के रूप में सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साथ ही, भारत के युवाओं और इसके जीवंत सीमावर्ती गांवों के बीच सामाजिक, सांस्कृतिक और विकासात्मक संबंधों को सुदृढ़ करता है।

# एमए और पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली। देश के सबसे प्रतिष्ठित मीडिया शिक्षा संस्थान, भारतीय जनसंचार संस्थान (आईआईएमसी) में छह एमए और चार पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए ई-काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू हो गई है। सभी कार्यक्रमों - एमए और पीजी डिप्लोमा -में प्रवेश केवल ई-काउंसलिंग के माध्यम से ही होगा। इसके लिए पंजीकरण https%@@iimc-admissions-nic-in@ पर किया जा सकता है। ई-काउंसलिंग के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 7 जून, 2026 है। पहला आवंटन 9 जून को घोषित किया जाएगा। इस वर्ष, भारतीय जनसंचार संस्थान ने तीन नए एमए कार्यक्रम शुरू किए हैं। इनमें स्वास्थ्य संचार में एमए, मीडिया और संचार प्रशासन में एमए और कॉर्पोरेट संचार और ब्रांड प्रबंधन में एमए शामिल हैं। प्रवेश प्रभारी और परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर (डॉ.) राकेश कुमार गोस्वामी ने बताया, ''इसके साथ, आईआईएमसी अब अपने छह परिसरोंनई दिल्ली, ढेंकनाल, आइजोल, अमरावती, जम्मू और कोट्टायम में छह एमए कार्यक्रम प्रदान कर रहा है।'' भारतीय जनसंचार संस्थान के चार प्रतिष्ठित पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम भी उपलब्ध हैं। ये कार्यक्रम अंग्रेजी, हिंदी, रेडियो और टेलीविजन पत्रकारिता और विज्ञापन एवं जनसंपर्क में पीजी डिप्लोमा हैं। जनसंचार एवं पत्रकारिता (सीओक्यूपी17) में वैध सीयूईटी-पीजी स्कोर और कम से कम 55 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक की डिग्री वाले भारतीय नागरिक एमए कार्यक्रमों के लिए पात्र हैं। इसी विषय में वैध सीयूईटी-पीजी स्कोर रखने वाले स्नातक पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों के लिए पात्र हैं। पीजी डिप्लोमा में प्रवेश के लिए ऊपरी आयु सीमा सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 25 वर्ष, ओबीसी उम्मीदवारों के लिए 28 वर्ष और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/दिव्यांग वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 30 वर्ष है। यह 1 अगस्त, 2026 तक मान्य है। उम्मीदवारों को पंजीकरण से पहले प्रवेश सूचना, विवरणिका और प्रक्रिया को ध्यानपूर्वक पढ़ने की सलाह दी जाती है। पंजीकरण फॉर्म भरते समय उन्हें कार्यक्रमों और परिसरों के लिए अपनी प्राथमिकताएं सावधानीपूर्वक भरनी चाहिए। पंजीकरण फॉर्म जमा करने के बाद प्राथमिकताओं में परिवर्तन के अनुरोध स्वीकार नहीं किए जाएंगे। उम्मीदवारों को अपने आवंटित कार्यक्रम में प्रवेश सुनिश्चित करने के लिए 20,000 रुपये का सीट स्वीकृति शुल्क देना होगा। प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने के लिए शेष शिक्षण शुल्क निर्धारित समय सीमा के भीतर जमा करना होगा। उम्मीदवारों को जन्म तिथि के सत्यापन के लिए हाई स्कूल प्रमाणपत्र और स्नातक पाठ्यक्रम की अंतिम मार्कशीट जमा करनी होगी। स्नातक के अंतिम परिणाम की प्रतीक्षा कर रहे उम्मीदवारों को निर्धारित तिथि और समय के भीतर आवश्यक दस्तावेज जमा करने होंगे। प्रवेश के समय जाति प्रमाण पत्र जमा करने में असमर्थ आरक्षित श्रेणियों से सम्बंधित उम्मीदवार एक वचन पत्र देकर निर्धारित अवधि के भीतर प्रमाण पत्र जमा कर सकते हैं। प्रवेश प्रक्रिया से सम्बंधित अन्य जानकारियों के लिए, उम्मीदवारों को आईआईएमसी की वेबसाइट iimc.gov.in पर जाने की सलाह दी जाती है। किसी भी प्रश्न के लिए, उम्मीदवार admissions@iimc.gov.in पर ईमेल कर सकते हैं।

# प्राइवेट प्रसाद हॉस्पिटल के आईसीयू में लगी भीषण आग, कई मरीजों की मौत

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर स्थित ब्रह्मपुरा इलाके के प्रसिद्ध प्रसाद हॉस्पिटल के आईसीयू वार्ड में देर रात अचानक भीषण आग लग गई। इस दर्दनाक घटना में 20 से अधिक मरीज गंभीर रूप से झुलस गए, जबकि कई मरीजों की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल व्याप्त हो गया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की आठ गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। दमकल कर्मियों ने कड़ी मेहनत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। आग पर काबू पाने में काफी समय लगा, जिस दौरान पूरे परिसर में तनावपूर्ण माहौल रहा। अग्निशमन पदाधिकारी आरएन पांडेय ने बताया श्ससुबह करीब तीन बजे आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची। उस समय आईसीयू में काफी धुआं भरा हुआ था. अब तक 20 से अधिक मरीजों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। तीन लोगों की मौत की सूचना मिली है, जिसकी जांच की जा रही है।श्श जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर बचाव कार्यों का निरीक्षण किया। सभी घायल मरीजों को तुरंत एम्बुलेंस के माध्यम से मुजफ्फरपुर के विभिन्न अस्पतालों में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां उनका इलाज जारी है। प्रशासन की टीम मृतकों की पहचान की प्रक्रिया में जुटी हुई है। साथ ही, अस्पताल प्रबंधन और पुलिस मिलकर आईसीयू वार्ड में हुए संपत्ति नुकसान का आकलन कर रही है। मृतकों की संख्या पर आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है। डीएम सुब्रत कुमार सेन ने बताया कि अभी तक 3 मौत की पुष्टि हुई है। आईसीयू में 13 से 15 मरीज भर्ती थे। अस्पातल प्रशासन का कहना है कि कुछ मरीजों को दूसरे अस्पताल में शिफ्ट किया गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग लगने का मुख्य कारण बिजली का शॉर्ट सर्किट हो सकता है। हालांकि, इसकी पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। जिला प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए उच्च स्तरीय जांच समिति गठित कर दी है, जो पूरे हादसे की विस्तृत जांच करेगी। घटना के बाद राहत कार्य तेजी से चल रहे हैं। प्रभावित परिवारों में शोक की लहर है। स्थानीय प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि सभी पीड़ितों को उचित मुआवजा और सहायता प्रदान की जाएगी। इस हादसे ने अस्पताल सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। चश्मदीदों के अनुसार, आग की लपटें और धुंआ उठते ही अस्पताल में चीख-पुकार मच गई। अस्पताल कर्मचारियों और आसपास के स्थानीय निवासियों ने तुरंत खिड़कियां तोड़कर घायल मरीजों को बाहर निकाला। उनकी इस मुस्तैदी से कई जिंदगियां बचाई जा सकी है।

स्वामी एवं प्रकाशक मौ. वसी के लिये मुद्रक नुसरत निशान खान द्वारा कौमी गुलदस्ता प्रिंटर्स, विलेज आमवाला, पोस्ट घंघौरा, देहरादून द्वारा, उत्तराखण्ड-248141 से मुद्रित एवं 5, लेन नम्बर 2, नामदेव एन्क्लेव फेस 2, ब्राहम्णवाला, देहरादून उत्तराखण्ड- 248171 से प्रकाशित। सम्पादक-मौ. वसी,
समस्त विवाद के लिये न्याय क्षेत्र देहरादून मान्य होगा। सम्पर्क- 9411112331
हमारे अखबार के ताजा अंक को ऑनलाइन पढ़ने के लिये www.aawamindia.com वेबसाइट पर जायें।
facebook: www.facebook.com/indiaaawam, youtube:www.youtube.com/@aawamindia,
X:www.x.com/aawamindia, Instagram:https://instagram.com/aawamindia